जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2020/hphs/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | सोमवार, 9 नवम्बर 2020

बाड़मेर जिले की सिवाना पंचायत समिति के मेली गाँव में कब्रिस्तान की दिवार और पानी का टांका बनाने में घपला!!!

निर्माण कार्यों की बदहाल तस्वीरें!!!

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी
सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

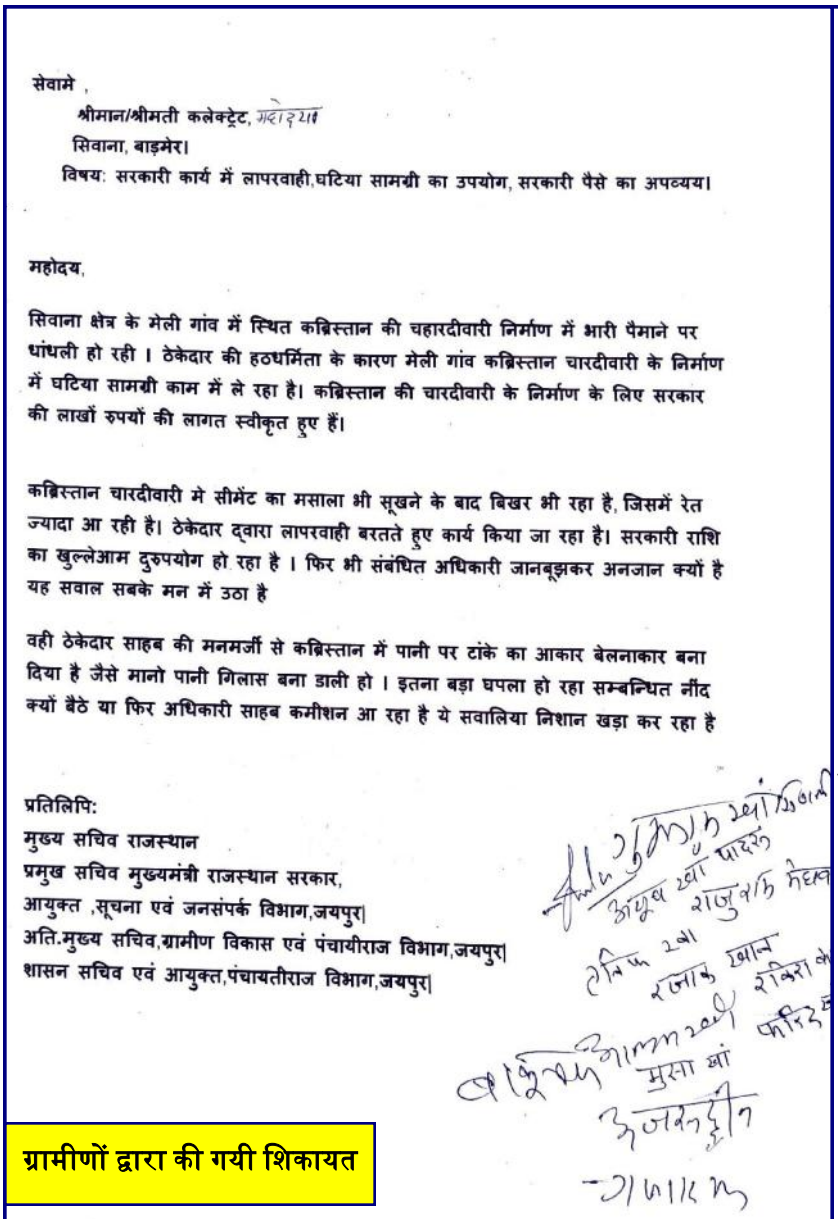

सेवामे ,

श्रीमान/श्रीमती कलेक्ट्रेट,

सिवाना, बाड़मेर।

विषय: सरकारी कार्य में लापरवाही,घटिया सामग्री का उपयोग, सरकारी पैसे का अपव्यय।

महोदय,

सिवाना क्षेत्र के मेली गांव में स्थित कब्रिस्तान की चहारदीवारी निर्माण में भारी पैमाने पर धांधली हो रही । ठेकेदार की हठधर्मिता के कारण मेली गांव कब्रिस्तान चारदीवारी के निर्माण में घटिया सामग्री काम में ले रहा है। कब्रिस्तान की चारदीवारी के निर्माण के लिए सरकार की लाखों रुपयों की लागत स्वीकृत हुए हैं।

कब्रिस्तान चारदीवारी मे सीमेंट का मसाला भी सूखने के बाद बिखर भी रहा है, जिसमें रेत ज्यादा आ रही है। ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरतते हुए कार्य किया जा रहा है। सरकारी राशि का खुल्लेआम दुरुपयोग हो रहा है । फिर भी संबंधित अधिकारी जानबूझकर अनजान क्यों है यह सवाल सबके मन में उठा है

वही ठेकेदार साहब की मनमर्जी से कब्रिस्तान में पानी पर टांके का आकार बेलनाकार बना दिया है जैसे मानो पानी गिलास बना डाली हो । इतना बड़ा घपला हो रहा सम्बन्धित नींद क्यों बैठे या फिर अधिकारी साहब कमीशन आ रहा है ये सवालिया निशान खड़ा कर रहा है

प्रतिलिपि:

मुख्य सचिव राजस्थान

प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार,

आयुक्त ,सूचना एवं जनसंपर्क विभाग,जयपुर|

अति.मुख्य सचिव,ग्रामीण विकास एवं पंचायीराज विभाग,जयपुर|

शासन सचिव एवं आयुक्त,पंचायतीराज विभाग,जयपुर|

ग्रामीणों द्वारा की गयी शिकायत

स्थानीय निवासियों ने लगाया घटिया सामग्री का आरोप

स्थानीय मेली ग्रामवासियों ने गाँव के कब्रिस्तान में हो रही चारदीवारी और पानी के टाँके के निर्माण कार्यों का निरिक्षण कर,इन कार्यों में लापरवाही,घटिया सामग्री का उपयोग कर, सरकारी पैसे के अपव्यय का आरोप लगाया है और इन कार्यों को दुबारा करवाने की मांग रखी है|ग्रामवासियों के अनुसार चारदीवारी में सीमेंट के मसाले में सीमेंट कम रेत ज्यादा है,जिसपर हाथ लगाने से वह भरभरा कर गिर रही है,ऐसे में इस दिवार का 6 महीने चलना भी मुश्किल है|वही दिवार की ऊँचाई नियमानुसार नहीं है|इस ठेकेदार ने यही पर हो रहे पानी के टाँके का आकार भी बेलनाकार बना दिया गया है मानो पानी का ग्लास बना डाला हो|ग्रामीणों के अनुसार यह ठेका जिस ठेकेदार को दिया गया है उसने यह काम नियमविरुद्ध तरीके से अन्य ठेकेदार को सबलेट कर दिया है जिसकी भी जांच आवश्यक है|

ठेकेदार और JEN नहीं उपलब्ध करवा रहे G-शिड्यूल

इस बारे में काम करवा रहे ठेकेदार काजम और कार्य की मोनिटरिंग कर रहे पंचायत समिति के JEN धारा सिंह मीना से बात करने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और ना ही उनके द्वारा इन दोनों कार्यों का G शिड्यूल उपलब्ध करवाया है|हालांकि पंचायत समिति के JEN धारा सिंह मीना ने इतना जरुर कहा है कि ग्रामीणों से शिकायत प्राप्त होने पर काम रुकवा दिया गया है|ठेकेदार को पेमेंट काम की गुणवत्ता जांचने के उपरांत ही किया जाएगा|

ग्रामीणों का आरोप;शिकायत के बाद काम को ढकने के लिए प्लास्टर का काम तुरत फुरत करवा रहे है ठेकेदार और JEN

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस काम की पोलपट्टी खुलने के बाद घटिया सामग्री से निर्माण की बात को ढकने के लिए ठेकेदार और JEN मिलकर प्लास्टर का काम तुरत फुरत करवा रहे है|

जवाब मांगते सवाल?

कौन है असली ठेकेदार?कितने का वर्क आर्डर है दोनों कामो का?आखिर G-शिड्यूल क्यों नही उपलब्ध करवा रहे है ठेकेदार और JEN,जबकि नियमानुसार प्रत्येक निर्माण कार्य का साईट पर बोर्ड लगाना आवश्यक होता है?कौन होगा घटिया काम का जिम्मेदार?कौन जांच करेगा इस भ्रष्टाचार की?इन JEN महोदय द्वारा और कितने कामों में ठेकेदार के साथ मिलकर सरकार को नुकसान पहुचाया है?क्या घटिया काम करने पर निर्माण की शर्तों के अनुसार ठेकेदार को डीबार नहीं किया जायेगा?